राती सपने दे विच नी गोपाल आ गया

राती सपने दे विच नी गोपाल आ गया,
गोपाल आ गया नंद लाल या गया,

नी ओ उड ,छिके ते चढेया,
मैथो जांदा नहियो फडिया,
नी मै देख दी ही रह गई,
मखन सारा खा गया,

नी ओ बंसरी मधुर वजावे,
मोरां वागनं पैलां पावे,
नी ओ सावरा सलोना मेरे मन नू भा गया

नी ओ यमुना तट ते जावे,
सखिया नाल रास रचावे
अज सखिया ने ,
शाम नू घेरा पा लया

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6115/title/rati-sapne-de-vich-ni-gopal-aa-geya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |